भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3308

दिनांक 12 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

.....

जल संभरण और जल संचय संबंधी कार्य

3308. श्री विष्णु दत्त शर्माः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार जलसंभर विकास, 'कैच द रेन' अभियान और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के साथ राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित करके जल निकायों के पुनर्स्थापन और सिंचाई क्षमता में सुधार के लिए सहायता प्रदान कर रही है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कटनी, पन्ना जिलों और खजुराहो लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के खजुराहो कस्बे में जलसंभर, जल संचयन और पुनर्भरण कार्य स्वीकृत हो चुके हैं या पूर्ण हो चुके हैं और उनसे लाभान्वित क्षेत्रों और परिवारों का ब्यौरा क्या है;

(ग) सिंचाई कवरेज, रोजगार सृजन और जल संकट में कमी सहित प्राप्त महत्वपूर्ण परिणाम क्या हैं;

(घ) क्या इसका पैमाना या इससे प्राप्त परिणाम अपर्याप्त हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा इसके लिए किए गए सुधारात्मक उपाय क्या हैं; और

(ङ) इन जिलों में सामुदायिक जल प्रबंधन को संस्थागत रूप देने और ऐसी परियोजनाओं को स्थायी ग्रामीण आजीविका से जोड़ने की योजना संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ङ): जल के राज्य का विषय होने के कारण, जल संरक्षण सहित जल संसाधनों से संबंधित पहलुओं का अध्ययन, योजना, वित्तपोषण और कार्यान्वयन राज्य सरकारों द्वारा अपने संसाधनों और प्राथमिकताओं के अनुसार स्वयं किया जाता है। केंद्र सरकार राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे उपायों और प्रयासों में सहयोग करती है।

वर्ष 2019 में जल शक्ति मंत्रालय ने देश के 256 जल की कमी वालवाले जिलों में समयबद्ध, मिशन-आधारित जल संरक्षण अभियान के रूप में जल शक्ति अभियान (जेएसए) की शुरुआत की है। जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर), जिसका ध्येय है: कैच द रेन, वेयर इट फ़ॉल्स, वेन इट फ़ॉल्स का वर्ष 2021 में पूरे भारत में विस्तार किया गया, जिसमें

पाँच प्रमुख हस्तक्षेप: (1) जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन (2) सभी जल निकायों की गणना, भौगोलिक टैगिंग और सूची बनाना; इसके आधार पर जल संरक्षण के लिए साइंटिफिक योजनाएँ तैयार करना (3) सभी जिलों में जल शक्ति केंद्रों की स्थापना (4) सघन वृक्षारोपण और (5) जागरूकता लाना शामिल थे। जेएसए: सीटीआर 2025 को "जल संचय जन भागीदारी: जन जागरूकता की ओर" विषय के साथ शुरू किया गया, जिसमें सामुदायिक भागीदारी और जल संरक्षण जागरूकता पर बल दिया गया।

इस अभियान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (एएमआरयूटी), पर ड्रॉप मोर क्रॉप, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के अंतर्गत मरम्मत, नवीनीकरण और पुनर्स्थापन घटक, क्षतिपूर्ति वनीकरण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (सीएएमपीए), वित्त आयोग अनुदान आदि जैसी केन्द्रीय, राज्य और स्थानीय निकायों की विभिन्न योजनाओं से समन्वित वित्तपोषण पर बल दिया गया है। मध्य प्रदेश राज्य में जेएसए: सीटीआर 2025 के अंतर्गत हुई प्रगति **अनुलग्नक-I** में संलग्न है।

जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर) अभियान को और अधिक सशक्त बनाने के लिए 6 सितंबर 2024 को सूरत, गुजरात के में "जल संचय जन भागीदारी" (जेएसजेबी) पहल शुरू की गई। जेएसजेबी पहल का उद्देश्य कम लागत में और अधिकतम क्षमता के साथ कम लागत वाली वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण हेतु सामुदायिक कार्य और भागीदारी को बढ़ाना है। यह पहल सामुदायिक निधियों, व्यक्तिगत दान, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निधियों और अन्य स्रोतों का उपयोग करके स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री से बोरवेल, रिचार्ज शाफ्ट, रिचार्ज पिट जैसी कम लागत वाली संरचनाओं का निर्माण करती है, ताकि वर्षा जल का संचयन हो सके, भूजल स्तर को बढ़ाया जा सके और जल संबंधी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान प्रदान किया जा सके। इसका उद्देश्य समाज और सरकार के समग्र दृष्टिकोण का पालन करते हुए सामूहिक प्रयासों के माध्यम से जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण सुनिश्चित करना है। मध्य प्रदेश राज्य में जेएसजेबी के अंतर्गत रिपोर्ट किए गए कृत्रिम भूजल पुनर्भरण और भंडारण कार्यों की संख्या अनुलग्नक-II में है।

पंचायती राज संस्थाएं (पीआरआई) समुदायों को संगठित करने, स्थानीय स्तर पर योजना बनाने में सहायता करने और जल संरक्षण कार्यों के सहभागी कार्यान्वयन और निगरानी सुनिश्चित करने में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), युवा, छात्र और स्थानीय सामुदायिक समूह जागरूकता पैदा करने, व्यवहार परिवर्तन संचार और सामाजिक लामबंदी में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं, जिससे जमीनी स्तर पर भागीदारी और स्वामित्व मजबूत होता है। समीक्षा और समन्वय बैठकें आयोजित की जाती हैं। लोगों से मिल उन्हें जागरूक करना, तकनीकी समझ और सहभागी कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए सूचना एवं संचार (आईईसी) गतिविधियां, सामुदायिक बैठकें और जमीनी स्तर पर संपर्क स्थापित किए जाते हैं।

सीजीडब्ल्यूबी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश के छतरपुर, कटनी और पन्ना जिलों में वर्ष 2025 के लिए भूजल की स्थिति नीचे दी गई है:

क्र. सं.	जिलों के नाम	कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण (एचएएम)	वार्षिक निष्कर्षणीय (एचएएम)	कुल वार्षिक निष्कर्षण (एचएएम)	भूजल निष्कर्षण का चरण (%)
1	छतरपुर	88788.42	84341.63	54357.51	64.45
2	कटनी	42668.92	40535.48	19011.64	46.9
3	पन्ना	53338.11	50374.84	19204.19	38.12

मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार,

i. कटनी जिले में विभिन्न योजनाओं के तहत जल संबंधी कुल पूर्ण कार्य 7445, पन्ना में 5356 और छतरपुर में 8185 हैं।

ii. एमजीएनआरईजीएस के अंतर्गत किए गए कार्यों के परिणामस्वरूप कुल 228.74 लाख व्यक्ति-दिवस का सृजन हुआ है।

iii. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वाटरशेड विकास 2.0 के अंतर्गत कटनी जिले में 803.36 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का सृजन किया गया है। अन्य जिलों में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत वाटरशेड विकास 2.0 परियोजनाओं का कार्यान्वयन नहीं किया गया है।

iv. प्राप्त परिणाम संतोषजनक हैं, अतः प्रश्न नहीं उठता।

v. जल संचयन संरचनाओं के लाभों का उपयोग करने हेतु सामुदायिक जल प्रबंधन के लिए लाभार्थियों के उपयोगकर्ता समूह गठित किए गए हैं। निर्मित तालाबों और चेक डैम/स्टॉप डैम को स्थायी आजीविका से जोड़ने के लिए मत्स्य पालन और एकीकृत कृषि प्रबंधन जैसी गतिविधियां शुरू की गई हैं।

*****

अनुलग्नक-I

'जल संभरण और जल संचय संबंधी कार्य' के संबंध में दिनांक 12.03.2026 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न सं. 3308 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

जल शक्ति अभियान:कैच द रेन - मध्य प्रदेश					
राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय					
दिनांक 10.03.2026 तक जेएसए: सीटीआर पोर्टल के अनुसार पहल-वार स्थिति रिपोर्ट (2025)					
*पूर्ण किए गए कार्यों की संख्या					
क्र.सं.	**जिले का नाम**	***पारंपरिक जल निकायों का पुनरुद्धार**	***पुन: उपयोग और पुनर्भरण संरचनाएं**	***वाटरशेड विकास**	***गहन वनीकरण**
1	अगर मालवा	58	33	124	96
2	अलीराजपुर	16	11	140	261
3	अनूपपुर	24	68	575	299
4	अशोकनगर	16	147	119	73
5	बालाघाट	104	466	783	410
6	बड़वानी	15	46	378	297
7	बैतूल	137	268	462	173
8	भिंड	121	82	224	41
9	भोपाल	16	109	72	97
10	बुरहानपुर	34	60	156	106
11	**छतरपुर**	**19**	**541**	**424**	**202**
12	छिंदवाड़ा	59	352	992	891
13	दमोह	38	366	595	229
14	दतिया	26	18	166	78
15	देवास	14	202	327	87
16	धार	24	204	523	275
17	डिंडोरी	52	497	1426	494
18	गुना	29	47	463	194
19	ग्वालियर	36	149	213	198
20	हरदा	24	76	61	52
21	होशंगाबाद	42	190	205	139
22	इंदौर	43	245	65	391
23	जबलपुर	24	275	383	111

24	झाबुआ	14	82	141	31
25	**कटनी**	**38**	**246**	**575**	**165**
26	खंडवा (पूर्वी निमाड़)	84	586	412	493
27	खरगोन	22	325	544	891
28	मैहर	0	0	0	0
29	मंडला	64	161	3108	713
30	मंदसौर	26	170	266	361
31	मऊगंज	0	0	0	0
32	मुरैना	27	229	568	208
33	नरसिंहपुर	27	205	359	239
34	नीमच	45	51	240	145
35	निवाड़ी	62	39	239	112
36	पांढुर्ना	0	4	0	0
37	**पन्ना**	**63**	**106**	**525**	**205**
38	रायसेन	28	495	624	246
39	रायगढ़	132	643	1085	596
40	रतलाम	43	100	398	1056
41	रीवा	173	359	588	177
42	सागर	21	320	265	213
43	सतना	44	323	273	46
44	सीहोर	47	182	96	134
45	सिवनी	107	147	944	555
46	शहडोल	86	145	275	142
47	शाजापुर	20	142	92	239
48	श्योपुर	15	116	347	179
49	शिवपुरी	85	159	386	232
50	सीधी	73	151	421	84
51	सिंगरौली	37	147	670	219
52	टीकमगढ़	16	112	351	212
53	उज्जैन	24	511	241	106
54	उमरिया	47	82	123	95
55	विदिशा	20	307	155	163
	कुल	**2461**	**11097**	**23187**	**13451***

मध्य प्रदेश में कटनी, पन्ना और छतरपुर जिलों सहित 50 जल शक्ति केंद्रों (जेएसके) को भी स्थापित किया गया है।

अनुलग्नक-II

'जल संभरण और जल संचय संबंधी कार्य' के संबंध में दिनांक 12.03.2026 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न सं. 3308 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

जल संचय डेटा - जेएसजेबी पोर्टल के अनुसार मध्य प्रदेश में जिला-वार संख्या (जेएसजेबी 1.0)		
क्र.सं.	**जिला**	**पूर्णता कार्य**
1	अगर मालवा	976
2	अलीराजपुर	1671
3	अनूपपुर	1756
4	अशोकनगर	1346
5	बालाघाट	4887
6	बड़वानी	2987
7	बैतूल	13499
8	भिंड	1947
9	भोपाल	2412
10	बुरहानपुर	1027
11	छतरपुर	2581
12	छिंदवाड़ा	1236
13	दमोह	3542
14	दतिया	609
15	देवास	8333
16	धार	10791
17	डिंडोरी	561
18	पूर्वी निमाड़	129020
19	गुना	17814
20	ग्वालियर	1658
21	हरदा	1057
22	होशंगाबाद	2262
23	इंदौर	656
24	जबलपुर	1318
25	झाबुआ	1793
26	कटनी	3919
27	खरगोन	5606
28	मंडला	4775
29	मंदसौर	916

30	मुरैना	406
31	नरसिंहपुर	3357
32	नीमच	835
33	निवाड़ी	250
34	पन्ना	1221
35	रायसेन	3525
36	राजगढ़	4342
37	रतलाम	1313
38	रीवा	1388
39	सागर	3138
40	सतना	2346
41	सीहोर	2529
42	सिवनी	7946
43	शहडोल	2766
44	शाजापुर	1762
45	श्योपुर	413
46	शिवपुरी	445
47	सीधी	322
48	सिंगरौली	970
49	टीकमगढ़	564
50	उज्जैन	3158
51	उमरिया	1598
52	विदिशा	1040
कुल योग		**276589**

जल संचय डेटा - दिनांक 11.03.2026 तक जेएसजेबी पोर्टल के अनुसार मध्य प्रदेश में जिला-वार संख्या (जेएसजेबी 2.0)		
क्र.सं.	**जिला**	**कार्य पूर्णता**
1	आगर-मालवा	313
2	अलीराजपुर	289
3	अनूपपुर	975
4	अशोकनगर	131
5	बालाघाट	1382
6	बड़वानी	886
7	बैतूल	405
8	भिंड	97
9	भोपाल	486

10	बुरहानपुर	685
11	छतरपुर	869
12	छिंदवाड़ा	387
13	दमोह	161
14	दतिया	90
15	देवास	3831
16	धार	501
17	डिंडोरी	315
18	गुना	3041
19	ग्वालियर	60
20	हरदा	442
21	इंदौर	9349
22	जबलपुर	425
23	झाबुआ	687
24	कटनी	1540
25	खंडवा (पूर्वी निमाड़)	11751
26	खरगोन (पश्चिम निमाड़)	3635
27	मैहर	294
28	मंडला	493
29	मंदसौर	797
30	माउगंज	153
31	मुरैना	1252
32	नर्मदापुरम	945
33	नरसिम्हापुर	690
34	नीमच	695
35	निवाड़ी	63
36	पांढुर्ना	135
37	पन्ना	1170
38	रायसेन	1738
39	राजगढ़	9619
40	रतलाम	1091
41	रीवा	291
42	सागर	768
43	सतना	181
44	सीहोर	698
45	सिवनी	1915
46	शहडोल	2179

47	शाजापुर	486
48	श्योपुर	271
49	शिवपुरी	1082
50	सीधी	320
51	सिंगरौली	903
52	टीकमगढ़	132
53	उज्जैन	3687
54	उमरिया	34
55	विदिशा	603
कुल योग:		**75418**

*****